प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 20 मार्च, 2017 को चिकित्सा विश्वविद्यालय के के0जी0एम0यू0 इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साईंसेज का प्रथम स्थापना दिवस बड़े ही हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर चिकित्सा विश्वविद्यालय के मॉननीय कुलपति पद्मश्री प्रो0 रवि कांत जी मुख्य अतिथि एवं प्रो0 बीना रवि विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। डायस पर उपस्थित अन्य सदस्यों में प्रो0 यू0बी0 मिश्रा, प्रो0 मधुमति गोयल, प्रो0 विनोद जैन अधिष्ठाता पैरामेडिकल संकाय, प्रो0 विजय कुमार, एम0एस0 चिकित्सा विश्वविद्यालय रहे।

कार्यक्रम मे प्रो0 रवि कांत जी ने कहा कि पैरामेडिकल स्टॉफ डॉक्टरों के साथ मिलकर काम करता है, तथा मरीज के उपचार मे अहम भूमिका अदा करता है। इसलिए इनका प्रशिक्षण बहुत उच्चकोटि का होना चाहिए। पैरामेडिकल स्टॉफ सर्वप्रथम किसी मरीज के इमरजेंसी में उसके पास होता है अगर वो अच्छी तरह से प्रशिक्षित न हो तो इससे मरीजो को बड़ा नुकसान हो सकता है। चिकित्सा विश्वविद्यालय उच्चकोटि के पैरामेडिकल स्टॉफ बनाने के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम मे प्रो0 रवि कांत जी द्वारा 12 विभिन्न पैरामेडिकल कोर्ष के टापरो को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम में प्रो0 बीना रवि ने कहा कि पैरामेडिकल स्टॉफ हिलर की तरह कार्य करता है। यह प्रोटोकाल के तहत भी कार्य करते है। इनको अपने अपने आप पर पूर्ण विश्वास होना चाहिए और यह विश्वास तभी आ सकता है जब उनका प्रशिक्षण उच्चकोटि का हो।

कार्यक्रम में प्रो0 विनोद जैन ने कहा कि चिकित्सा विश्वविद्यालय के के0जी0एम0यू0 इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साईंसेज द्वारा अपने छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण और कौशल अधारित प्रशिक्षण देने का प्रयास किया जा रहा है। यहा छात्रों को अपने विषय के साथ, कम्यूनिकेशन स्किल, अंग्रेजी की क्लासेज तथा कम्प्यूटर क्लासेज आदि भी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे इनका सम्पूर्ण विकास हो सके।